West Bengal region, super-tankers bringing Kerosene oil imports from U.S.S.R. should be berthed at Calcutta docks;

(b) if so, whether Indian Oil Corporation has encountered any difficulties due to unfavourable response from the Port authorities; and

(c) Government's reaction thereto?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) Indian Oil Corporation's suggestion to bring large tankers to Calcutta Docks is designed to facilitate more convenient imports of deficit products as there is a shortage of small tankers at present for this traffic. But the absence of such facilities has not resulted so far in a reduction of sea-borne supplies into Calcutta.

(b) and (c). The matter was discussed by the Indian Oil Corporation Limited with the Calcutta Port authorities and it was agreed that the facilities at Budge-Budge will be extended to accommodate larger tankers.

काश्मीर में सशस्त्र पाकिस्तानी लोगों की घुसपैठ

*1383. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री बृजराज सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री बड़े :
श्री रमापति राव :
श्री मं० रं० कृष्ण :
श्री श्यामलाल सर्राफ :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री स० चं० सामन्त :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान 25 मार्च, 1966 के "इण्डियन एक्सप्रेस" में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसके अनुसार जम्मू तथा काश्मीर राज्य के गृह-मन्त्री ने राज्य विधान सभा में कहा था कि सशस्त्र पाकिस्तानी घुसपैठियों के काश्मीर में प्रवेश करने का समाचार मई, 1965 में केन्द्रीय सरकार को दे दिया गया था; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अगस्त, 1965 तक कोई कार्यवाही न किये जाने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल : (क) और (ख). सरकार ने प्रेस रिपोर्ट देख ली है । जम्मू तथा काश्मीर के गृह-मन्त्री ने 24 मार्च, 1966 को राज्य विधान सभा में वस्तुतः यह कहा था कि राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार को यह ज्ञात था, कि पाकिस्तान मुजाहिदों, रजाकारों तथा गुरीला सैनिकों को प्रशिक्षण देकर तैयारी कर रहा था, और मई, 1965 से ही स्थिति की लगातार जांच की जा रही थी, तथा अगस्त, 1965 में जो घटनायें हुईं, वह एक उच्चस्तरीय संगुप्त आक्रमण था । ऐसे आक्रमण आश्चर्यजनक तथा आकस्मिक होते हैं, तथा पाकिस्तान की तैयारियों के ज्ञान का पूरा लाभ उठाया गया, और हमारी सुरक्षा सेना को अधिक मशक्त बनाया गया था, जिसका परिणाम यह हुआ, कि हमारी सुरक्षा सेनायें पाकिस्तान को उपयुक्त और तुरन्त उत्तर देने तथा घुसपैठियों के विरुद्ध कार्यवाही करने में सफल हो सकीं ।

Samadhi of Chhatrapati Shivaji Maratha

*1384. **Shri Dighe:**
Shri Mukane:
Shri Baswant:
Shri Kamble:

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Maharashtra have requested the Central Government to hand over the management of the Samadhi of Chhatrapati Shivaji Maratha at Raigad Fort in Maharashtra State;